

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

LIBRARY

PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS-----

* THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
WEDNESDAY, AUGUST 31, 2022

-----DATED-----

DDA to organise dragonfly festival at Sanjay Van

New Delhi: The Delhi Development Authority along with World Wide Fund for Nature - India (WWF India) is going to organise a dragonfly festival at the Sanjay Van in south Delhi on September 3.

The festival, which will be held between 9.30 am and 11.30 am, is part of the authority's aim to promote the partnership of citizens in preserving city forests and for nature-based learning, especially for children, an official said.

Last month, the DDA had signed a Memorandum of Understanding with WWF India for the notified reserved forest spread over an area of 783 acres approximately.

The festival is part of the MoU, which aims to establish activities based on 'Learning with Nature' and facilitate experiential activities like tree tagging, nature walks, flora and fauna observation, children's educational activities, etc, along with educative signages, flora and fauna atlas and publications, and citizen science initiatives, the official said. He said the dense forest with a rich diversity of flora and fauna is home to a number of birds, reptiles, butterflies, mammals, etc. The authority had earlier said in a statement that the forest's rich natural heritage is due to its distinct landscape. TNN

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY LIBRARY PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS-----

amarujala.com

DATED-----

नई दिल्ली | बुधवार, 31 अगस्त 2022

अक्टूबर से काम करेगा तेहखंड वेस्ट टू एनर्जी प्लांट

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। तेहखंड में बनाया जा रहा एमसीडी का वेस्ट टू एनर्जी प्लांट अक्टूबर से काम करने लगेगा। इसके बाद ओखला लैंडफिल साइट पर टोस अपशिष्ट का जाना बिल्कुल बंद हो जाएगा। साइट पर कचरे के निस्तारण में तेजी आएगी। इस वेस्ट टू एनर्जी प्लांट पर प्रतिदिन 2 हजार टन कचरे की खपत होगी और 25 मेगावाट बिजली पैदा की जाएगी।

ओखला लैंडफिल साइट पर नहीं जाएगा टोस अपशिष्ट कचरा निस्तारण में आएगी तेजी

दिल्ली नगर निगम दक्षिणी क्षेत्र में प्रतिदिन 3600 टन कचरा एकत्रित करता है। यह कचरा ओखला लैंडफिल साइट पर जाता है। इसमें से 1500 टन कचरा ओखला में पहले से चल रहे कचरे से बिजली बनाने के प्लांट में जाता है। इस प्लांट से 21 मेगावाट बिजली पैदा की जाती है।

यहां कचरे से कंपोस्ट बनाने का एक प्लांट भी स्थापित किया गया है। रोजाना 200 टन कचरे से कंपोस्ट बनाई जाती है।

बचा हुआ करीब 1900 टन कचरा सीधा ओखला डंपिंग साइट पर जमा हो रहा है। तेहखंड में वेस्ट टू एनर्जी प्लांट को डीडीए से मिली 15 एकड़ भूमि पर बनाया जा रहा है। इसे पीपीपी मॉडल के तहत 375 करोड़ रुपये में विकसित किया जा रहा है।